विश्व एकता और विश्वास हेतु नयी शिक्षा पर शिक्षाविदों का राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली-हरि नगर। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग द्वारा 'विश्व एकता और विश्वास हेतु नयी शिक्षा' विषय पर स्थानीय डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित शिक्षकों का एक राष्ट्रीय महासम्मेलन में दिल्ली सरकार के उद्योग मंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था विश्व की सबसे बड़ी संस्था है जो नारी शक्ति का परिचायक है। यहाँ की आध्यात्मिक शिक्षा श्रेष्ठ संस्कारों का निर्माण करती है। उन्होंने राजयोग विचार प्रयोगशाला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसे अद्भुत कहा।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा संस्थान (ए.आई.सी.टी.ई.) के अध्यक्ष प्रो. टी. जी. सीताराम ने छात्रों में बढ़ते हुए अवसाद की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज हर तीसरा विद्यार्थी अवसादग्रस्त है। केवल तकनीकी शिक्षा ही पर्याप्त नहीं, इसके साथ हमारी आंतरिक प्रज्ञा और आत्मबल को बढ़ाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा भी आवश्यक है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा चलाई जा रही 'स्वयं पोर्टल, राजयोग लैब तथा अन्य आंतरिक सशक्तिकरण प्रणाली' इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि नयी शिक्षा, नये संस्कार और नयी सृजन प्रक्रिया का कार्य स्वयं परमात्मा का है, जो वह उनके मानवीय माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा के द्वारा अलौकिक रीति से करा रहे हैं और इससे ही भारत विश्वगुरु बनेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य आयोजिका राजयोगिनी डॉ. ब्र.कु. शुक्ला दीदी ने आंतरिक सशक्तिकरण हेतु राजयोग साधना को आधार बताया। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी ने भी अपने प्रेरक विचार रखे। राजयोग ध्यान द्वारा डिवाइन हीलिंग का सामूहिक अभ्यास व अनुभव कराते हुए ब्र.कु. आशा ने सभागार में उपस्थित जन समूहों को आंतरिक शान्ति, शक्ति एवं सुखद स्थिति का एहसास कराया। कॉन्फ्रेंस में दिल्ली एन.सी.आर. तथा देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे लगभग 500 शिक्षाविदों सहित शहर के गणमान्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम में भाग और लाभ लिया।

भारत को विश्वगुरु बनाने हेतु मूल्य-आधारित शिक्षा जरुरी

ब्र.कु. शिवानी ने सहज राजयोग शिक्षा को मानव जीवन, चरित्र एवं समाज उत्थान का आधार बताते हुए कहा कि सृष्टि का आत्मा संकल्पों से होता है और मानव संसार उसके संस्कारों से निर्मित होता है। आध्यात्मिक ज्ञान एवं सहज राजयोग ध्यान के माध्यम से हम अपने जीवन में सुखद, सफल व सकारात्मक बदलाव और पूर्णता को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दृढ़ संकल्प, संपूर्ण आत्मविश्वास, आध्यात्मिक और मूल्य-आधारित शिक्षा के आधार पर ही हम भारत को पुनः विश्वगुरु बना सकते हैं तथा धरा पर विश्व शान्ति, एकता और भाईचारे को पुनः स्थापित कर सकते हैं।

समाज में नैतिकता और आध्यात्मिकता-एक स्वर्णिम युग की ओर विषय पर राजनितिज्ञों का चार दिवसीय सम्मेलन

आबू रोड-आनन्द सरोवर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग द्वारा आनन्द सरोवर में चार दिवसीय राष्ट्रीय राजनीतिज्ञ सम्मेलन 'राजनेता सेवक या शासक- आत्म अवलोकन द्वारा श्रेष्ठ नेतृत्व' विषय पर आयोजित समापन सत्र में मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कहा गया है- सेवा परमोधर्मः। हमें यह सोचना पड़ेगा कि मैं राजनीति में क्यों आया? आज राजनीति में त्याग के भाव की आवश्यकता है। राजनीति में आया व्यक्ति यह सोचेगा कि मैं सेवा के उद्देश्य से आया हूँ तो निश्चित रूप से उसमें कुछ बदला हुआ नज़र आएगा।

नेताओं की छवि ऐसी हो कि लोग हाथ जोड़ें

राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि सेवक या शासक यह विषय बहुत बड़ा है। शान्तिवन आने के बाद जो शान्ति मिलती है उससे तो हम अपने घर-परिवार से जुड़ी सारी चिंताएं ही भूल जाते हैं। जीवन और विचार पानी की

तरह हैं जिसे जिस भी दिशा में ढालना चाहो वैसा ढल जाता है।

हमें अपने मन-बुद्धि का शासक बनना है

राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी ने कहा कि जब हम अपनी सूक्ष्म और स्थूल इंद्रियों के शासक बन शासन करेंगे तो हमारा जीवन श्रेष्ठ और प्रभावशाली बनेगा। सबसे पहले हमें मन-बुद्धि का शासक बनना है। जिसने अपने पर शासन करना सीख लिया वह दुनिया पर शासन करना सीख जाता है। शिवबाबा ने हमें शिक्षा दी है कि बच्चे स्वराज्य अधिकारी बनो अर्थात् अपने ऊपर राज करना सीखो। राजयोग से हम स्वयं पर अर्थात् अपने मन-बुद्धि के ऊपर राज करना सीख जाते हैं।

इन्होंने भी व्यक्त किए विचार

जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि इस पवित्र स्थान में आपने चार दिन तक जो ज्ञान प्राप्त किया है उसको पहले स्वयं में धारण कर फिर बाद में अपने-अपने सेवा स्थान पर जाकर प्रचार-प्रसार करें, तभी इस सम्मेलन का उद्देश्य सार्थक होगा।

श्रेष्ठ शिक्षक वही जो मूल्य-आधारित शिक्षा दे

देहरादून-उत्तराखंड। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित 'शिक्षक स्नेह मिलन' समारोह में देहरादून सबज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि शिक्षक माना ही जो शिष्टाचार हो, क्षमाशील हो एवं करके दिखाने वाला हो और ऐसा ही विद्यार्थियों को भी बनायें। एशियन स्कूल की प्रिंसिपल रुचि दत्ता ने कहा कि शिक्षक का कितना अहम रोल है विद्यार्थियों के जीवन में, इसलिए सिर्फ उन्हें पढ़ाना नहीं है, खुद के व्यक्तित्व को भी ऐसा बनाना है। श्री सनातन धर्म जूनियर हाई स्कूल की प्रिंसिपल पंकज माथुर बहन ने कहा कि शिक्षक केवल 99 परसेन्ट के लिए ना पढ़ाएं अपितु जीवन में जो मूल्यों की कमी दिखाई दे रही है वो भी सिखाएं। प्रेमनगर स्थित दून प्रेसीडेंसी स्कूल की प्रिंसिपल अल्पना गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्टूडेंट्स को निःस्वार्थ प्रेम से ही जीता जा सकता है, परिवर्तन किया जा सकता है। एम.के.पी. इंटर कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सीमा रस्तोगी ने भी शिक्षकों की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। पाइन हॉल स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. रमा आनंद ने बताया कि एक मिनट साइलेंस का अभ्यास क्लास में अवश्य कराना चाहिए, इससे बहुत फायदा देखने को मिलता है। उत्तरांचल आयुर्वेदिक कॉलेज के चेयरमैन डॉ. अश्विनी कम्बोज ने शिक्षकों के कार्यों की महानता पर प्रकाश डाला। वर्षा ठाकुर,शिक्षक कॉस्मिक एनर्जी वास्तुशास्त्र भारत,ऑस्ट्रेलिया व सिंगापुर द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। सभी शिक्षकों ने बहुत सुंदर अनुभूति की और स्वयं को व विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए राजयोग सीखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. स्वाति ने किया। सभी मंचासीन अतिथियों का ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा पटकों व पुष्पों से स्वागत एवं सम्मान किया गया।

- पिंडवाड़ा विधायक समाराम गरासिया ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पूरे देश-विदेश में समाज के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है।
- मध्यप्रदेश,सुसनेर के विधायक भैरोंसिंह परिहार ने कहा कि मैं जब पहली बार ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर गया तो वहाँ जो सीख मिली वह जीवनभर के लिए अनमोल धरोहर बन गई। ब्रह्माकुमारीज़ एक ऐसी संस्था है जहाँ कोई आडंबर नहीं है। यहाँ जैसी सच्चाई कहीं मिल नहीं सकती है।
- मध्यप्रदेश,कोलार के विधायक महेन्द्र राम सिंह यादव ने कहा कि नेता राजनीति की चकाचौंध में जिस सेवा के उद्देश्य से राजनीति में आये हैं वह कभी भूलना नहीं चाहिए। पूर्व विधायक नारायण दत्त शर्मा, पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त राजू पाठक,मध्यप्रदेश, प्रभाग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,ओआरसी निदेशिका ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन ब्र.कु. सपना,दिल्ली ने किया।

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month.
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, तलहटी, आबू रोड, शान्तिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org